विद्यालय

शिक्षक मार्गदर्शिका
विज्ञान
एवं
प्रौद्योगिकी

कक्षा 3

लेखिका
शिप्रा

विद्यालय प्रकाशन
दिल्ली • मेरठ

© प्रकाशक New Edition मूल्य : ₹ 30:00

विषय-सूची

इकाई - 2 : हमारे आस-पास की वस्तुएँ

1. सजीव और निर्जीव वस्तुएँ 3

इकाई - 2 : वनस्पति जीवन

2. पौधों और जंतुओं में भिन्नता 4
3. पौधे के भाग 5

इकाई - 3 : जंतु विज्ञान

4. जंतुओं का भोजन और भोजन की आदतें 6
5. पक्षी और उनकी भोजन की आदतें 7
6. पक्षियों के घोंसले और बच्चों की देखभाल 8

इकाई - 4 : वायु, जल और मौसम

7. जल और मौसम 9

इकाई - 5 : चट्टानें, मिट्टी और खनिज

8. मिट्टी 10

इकाई - 6 : हमारा ब्राह्माण्ड

9. पृथ्वी और इसके पड़ोसी 10

इकाई - 7 : मानव शरीर, स्वास्थ्य और स्वच्छता

10. हमारा शरीर : एक आश्चर्यजनक मशीन 11
11. दाँतों की देखभाल 13

इकाई - 8 : सुरक्षा और प्राथमिक सहायता

12. सुरक्षा के नियम और प्राथमिक सहायता 14

इकाई - 9 : हमारा पर्यावरण

13. एक अच्छा घर और इसका स्वच्छ आस-पड़ोस 15

आदर्श प्रश्न पत्र : 1 एवं 2 16

इकाई 1 : हमारे आस-पास की वस्तुएँ

1 सजीव और निर्जीव वस्तुएँ

(क) निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. नहीं। सभी प्राकृतिक वस्तुएँ सजीव नहीं होती हैं। इनमें कुछ वस्तुएँ निर्जीव भी होती हैं; जैसे–वायु, जल, धरती, चट्टान आदि।
2. (i) सजीव वस्तुएँ गति करती हैं।
   (ii) इन्हें जीवित रहने के लिए भोजन की आवश्यकता होती है।
   (iii) ये वृद्धि करती हैं।
   (iv) ये अनुभव व प्रतिक्रिया करती हैं।
   (v) ये सांस लेती हैं।
3. सजीव वस्तुओं को वृद्धि करने व विभिन्न क्रियाएँ करने के लिए भोजन की आवश्यकता होती है।
4. ये पौधे अपना भोजन स्वयं नहीं बनाते वरन् सड़े-गले व मृत पदार्थों से अपना भोजन ग्रहण करते हैं।
5. ऐसी प्रक्रिया जिसके द्वारा सजीव अपने जैसी सजीव वस्तुओं को जन्म देते हैं, प्रजनन कहलाती है।

(ख) 1. असत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. असत्य 5. असत्य

(ग) 1. निर्जीव 2. पौधे 3. पौधों, अन्य जंतुओं 4. वृद्धि 5. ज्ञानेन्द्रियाँ

(घ) 1. बछड़ा 2. चूजा 3. बिलौटा

खेल-खेल में :

(क) बिल्ली, हाँ, हाँ, नहीं, हाँ, बिल्ली

(ख) स्वयं करें।

इकाई 2 : वनस्पति जीवन

2 पौधों और जंतुओं में भिन्नता

(क)
1. जंतु भोजन की तलाश में अपने शत्रुओं से सुरक्षा के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं।
2. हरे पौधे वायु, जल, सूर्य के प्रकाश और मिट्टी की सहायता से अपना भोजन स्वयं बनाते हैं।
3. पौधे अपनी पत्तियों में उपस्थित छिद्रों की सहायता से सांस लेते हैं। जंतुओं में सांस लेने के लिए फेफड़े, गलफड़े, वायु छिद्र होते हैं।
4. (i) प्रजनन : पौधे बीजों, तनों, जड़ों या पत्तियों द्वारा प्रजनन करते हैं। जंतु अंडे अथवा शिशुओं को जन्म देते हैं।
   (ii) अनुभव करना : जंतु अपनी ज्ञानेन्द्रियों से प्रजनन करते हैं, जबकि पौधों में ज्ञानेन्द्रियाँ नहीं होती लेकिन वे अनुभव करते हैं।

(ख) 1. कुकरमुत्ता, फंफूदी 2. गलफड़े 2. वायुछिद्र 4. पत्तियों, छिद्रों, स्टोमेटा 5. जंतु

खेल-खेल में :

वृक्ष	घोड़ा
1. वृक्ष अपने आकार व आकृति में वृद्धि करता है।	1. घोड़ा एक स्थान से दूसरे स्थान पर गति करता है।
2. वृक्ष में ज्ञानेन्द्रिय नहीं होती हैं।	2. घोड़े में आँख, नाक, कान, त्वचा, जीभ ज्ञानेन्द्रियाँ होती हैं।
3. वृक्ष अपना भोजन स्वयं बनाते हैं।	3. यह भोजन के लिए निर्भर होता है।
4. वृक्ष बीजों, जड़ों, तनों के द्वारा प्रजनन करता है।	4. मादा घोड़ा अपने शिशु को जन्म देती है।

3 पौधे के भाग

(क) 1. जड़ मिट्टी के नीचे पायी जाती है जबकि प्ररोह पौधे का वह भाग होता है जो मिट्टी के ऊपर होता है।

2. मूसला जड़ में एक मोटी जड़ तने के सिरे से व कई दूसरी जड़े इससे उगती हैं जबकि तन्तु जड़ में बहुत-सी जड़े तने के सिरे से बाहर निकलती हैं।

3. जड़ पौधे को मिट्टी में सहारा देने, जल व खनिज लेने व भोजन एकत्र करने का कार्य करती है। तना पौधों को खड़ा रखने, जल व खनिज को पौधों के अन्य भागों तक पहुँचाने, भोजन जमा करने का कार्य करता है।

4. पत्तियों को फूड फैक्ट्री इसलिए कहा जाता है क्योंकि ये पौधे के लिए भोजन बनाती हैं।

5. फल बीजों को सुरक्षित रखते हैं, बीज नए पौधों को जन्म देते हैं।

(ख) 1. असत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. असत्य 5. सत्य

(ग) 1. तना 2. मनी प्लांट, अंगूर की बेल 3. गन्ना 4. पत्तियों 5. बीज

(घ) 1. तना 2. पालक 3. फूल 4. स्टोमेटा 5. क्लोरोफिल

खेल-खेल में :

(क) जड़, तना, शाखाएँ, पत्तियाँ, कलियाँ, फूल, फल और बीज।

(ख) पर्णफल, शिरा, मुख्यशिरा, पत्ती का डण्ठल, गाँठ ।

(ग) स्वयं करें।

4 जंतुओं का भोजन और भोजन की आदतें

(क) 1. जो जंतु पौधों को खाते हैं वे शाकाहारी जंतु होते हैं तथा जो जंतु मांस खाते हैं वे मांसाहारी जंतु होते हैं।

2. हिरन पौधों को खाता है और शेर हिरन को खाता है। इस प्रणाली को खाद्य शृंखला कहते हैं।

3. गाय, भैंस और बकरी को घास, खल, बिनौले और अन्य दूध उत्पन्न करने वाली वस्तुएँ खिलानी चाहिए।

4. शेर के लंबे, तीखे और नुकीले घुमावदार दाँत मांस को चीरने में उसकी सहायता करते हैं।

5. घास खाने वाले जंतु बिना चबाए ही घास को निगल जाते हैं और कुछ समय बाद जब वे आराम की मुद्रा में होते हैं तो वे निगले हुए भोजन को पुनः मुँह में लाकर चबाते हैं। इसे जुगाली करना कहते हैंत थाए ेसेज न्तुज ोज ुगालीक रतेह ैंज ुगालीक रनेव ालेज ंतु कहलाते हैं; जैसे–गाय, भैंस।

6. क्योंकि वे हमारी सबसे अधिक सेवा करते हैं।

(ख) 1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. असत्य 4. सत्य

(ग) 1. मांसाहारी 2. निगल 3. पालतू 4. रस 5. जोंक

(घ) 1. चूहा, खरगोश 2. मेढक, सांप 3. जोंक, मच्छर 4. बत्तख, मुर्गी 5. गाय, भैंस

खेल-खेल में :

(क) 1. शेर 2. गाय 3. जोंक 4. तितली 5. हाथी

(ख) स्वयं करें।

5 पक्षी और उनकी भोजन की आदतें

(क) 1. पक्षी के शरीर के सभी भाग बहुत हल्के, हड्डियाँ कम, मजबूत व हल्की तथा शरीर हवाई जहाज की तरह होता है जो उन्हें उड़ने में मदद करता है।

2. उड़ने वाले पंख उड़ने में सहायता करते हैं तथा नीचे वाले पंख शरीर को गर्म रखते हैं।

3. पक्षी की पूँछ नाव की चप्पू की तरह होती है जो उड़ते समय दिशा बदलने में सहायता करती है।

4. इनके पाँव पतले व लंबे होते हैं, उँगलियाँ चौड़ी व फैली हुई होती है व पंखों के नीचे तेलीय ग्रन्थियाँ होती हैं। इन गुणों के कारण पक्षी जल में रहने में सहायक होते हैं।

5. तोते की चोंच हुक की तरह मुड़ी हुई होती है। बत्तख की चोंच चौड़ी और चपटी चोंच में सिरों पर छोटे छिद्र होते हैं।

6. बाज, चील, गिद्ध और उकाब के पंजे शिकार पकड़ने में इनकी मदद करते हैं। इन पंजों को चंगुल कहते हैं।

(ख) 1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. सत्य
5. सत्य

(ग) 1. पंखों 2. निचले 3. नीचे की ओर
4. उड़ान रहित 5. झिल्लीनुमा

(घ) 1. बाज, गिद्ध 2. किवी, पैंग्विन 3. चिड़िया, कबूतर
4. बत्तख, हंस 5. मुर्गी, मुर्गा

खेल-खेल में :

1. तोता 2. बाज 3. कठफोड़वा
4. बत्तख 5. सनबर्ड

6 पक्षियों के घोंसले और बच्चों की देखभाल

(क) 1. पक्षी घोंसला इसलिए बनाते हैं जिससे वे अपने अंडे व शिशुओं को गर्मी, सर्दी, वर्षा व शत्रुओं से रक्षा कर सकें।

2. पक्षी अपना घोंसला बनाने के लिए घास, तिनके, पुराने कपड़े, पंख, रुई, छोटी पत्तियाँ, लकड़ी आदि का प्रयोग करते हैं।

3. दर्जिन पक्षी अपनी चोंच से धागे, ऊन या मकड़ी के जालों से पत्तियों को सिलकर घोंसला बनाती है इसलिए इसे दर्जिन पक्षी कहते हैं।

4. कोयल बहुत चालाक होती है वह अंडों को कौए के घोंसले में इसलिए रख देती है जिससे मादा कौआ कोयल के अंडों को अपने अंडे समझकर से दे और उसके बच्चों को दूध पिलाये क्योंकि सब अंडे एक-से दिखाई देते हैं।

5. पक्षी अपने बच्चों को भोजन कराते हैं, उड़ना सिखाते हैं। जब तक उड़ना नहीं सीखते उनकी देखभाल करते हैं।

(ख) 1. असत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. असत्य
5. असत्य

(ग) 1. घोंसला 2. कठफोड़वा 3. उल्लू 4. पेंग्विन

खेल-खेल में :

गिद्ध, बया, दर्जिन, चिड़िया

इकाई 4 : वायु, जल और मौसम

7 जल और मौसम

(क) 1. हम जल को गर्म करके भाप में बदल सकते हैं।
2. क्योंकि यह खारा (अत्यधिक नमकीन) होता है।
3. मौसम को निर्धारित करने वाली परिस्थितियाँ हैं–सूर्य, पवन, बादल और वर्षा।
4. क्योंकि दोपहर में सूर्य सिर के ठीक ऊपर होता है और किरणें एकदम सीधी पड़ती हैं।
5. बादलों वाली रात गर्म होती है क्योंकि बादल भूमि की गर्मी को ऊपर वायुमण्डल में नहीं जाने देते।
6. मौसम हमारे दैनिक जीवन में भोजन, वस्त्र और कार्य की आदतों में प्रभाव डालता है।

(ख) 1. असत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. असत्य
5. सत्य

(ग) 1. वर्षा, बर्फ 2. वाष्पीकरण 3. सूर्यास्त 4. वर्षा
5. गर्मी

(घ) 1. **वाष्पीकरण :** जल के जलवाष्प बनने की प्रक्रिया को वाष्पीकरण कहते हैं।
2. **संघनन :** जल वाष्प का पुनः जल में बदलना संघनन कहलाता है।
3. **जमना :** जल का बर्फ में बदलना जमना कहलाता है।

खेल-खेल में :

(क) 1. पवन – बहती हुई वायु
2. मन्द वायु – धीमी वायु
3. आँधी – शक्तिशाली हवाएँ
4. वर्षा – बादलों से गिरने वाली जल की बूँदों की बौछारें
5. लू – गर्म हवा

(ख) गर्मी सुहावना आंधी वर्षा बर्फ गिरना

इकाई 5 : चट्टानें, मिट्टी और खनिज

8 मिट्टी

(क) 1. मिट्टी विभिन्न प्रकार की चट्टानों के टूटने से बनती है।
2. क्योंकि इसमें ह्यूमस की उपस्थिति होती है। हयूमस मिट्टी को उपजाऊ बनाता है।
3. मिट्टी की तीन परतें–ऊपरी परत, मध्य परत व निचली परत है।
4. सबसे ऊपरी परत पर पायी जाने वाली मिट्टी ऊपरी मिट्टी होती है। यह गहरे रंग की और नर्म होती है।
5. खाद और फर्टिलाइजर्स मिलाकर मिट्टी में खनिज पदार्थ मिलाए जा सकते है।

(ख) 1. मिट्टी 2. ह्यूमस 3. चिकनी
4. चट्टानी परत 5. खाद, फर्टिलाइजर्स

खेल-खेल में :

(क) 1. खोदना 2. ह्यूमस 3. दोमट मिट्टी
4. बजरी 5. रेत

इकाई 6 : हमारा ब्रह्मण्ड

9 पृथ्वी और इसके पड़ोसी

(क) 1. पृथ्वी की आकृति गोल, संतरे के समान हैं।
2. पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने से दिन और रात बनते हैं।
3. तारों के समूह को (जो विशेष आकृति बनाते हैं) नक्षत्र मण्डल कहा जाता है। दो नक्षत्र मण्डल हैं–(क) मृगशिरा नक्षत्र

(शिकारी) तथा (ख) वृश्चिक नक्षत्र (बिच्छू)।

4. (i) आर्यभट्ट : ये गणित व ज्योतिषी शास्त्र के ज्ञाता थे। ये प्रथम व्यक्ति थे जिन्होंने हमें बताया कि पृथ्वी गोल है और चंद्रमा अंधकारमय है।

   (ii) वराहमिहिर : ये खगोलशास्त्री थे। इन्होंने अनेक पुस्तकें लिखीं।

5. सूर्य बहुत-सी गर्म गैसों का बड़ा गोला है। सूर्य एक तारा है। चंद्रमा पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाता है। यह प्राकृतिक उपग्रह है। तारे बड़े आकाशीय पिण्ड होते हैं। इनमें अपना प्रकाश होता है।

(ख) 1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. सत्य 5. सत्य

(ग) 1. वायुमण्डल 2. गोल 3. ऋतुएँ 4. तारा 5. चंद्रमा

खेल-खेल में :

1. परिभ्रमण 2. सूर्य 3. परिक्रमण 4. नक्षत्र मण्डल 5. मृगशिरा

इकाई 7 : मानव शरीर, स्वास्थ्य और स्वच्छता

10 हमारा शरीर : एक आश्चर्यजनक मशीन

(क) 1. (i) **आँख :** देखने में सहायता करती है।

   (ii) **कान :** सुनने में सहायता करते हैं।

   (iii) **नाक :** सूँघने में सहायता करती है।

   (iv) **जीभ :** स्वाद का पता चलता है।

   (v) **त्वचा :** अनुभव करने में मदद करती है।

2. हड्डियों का ढाँचा, हमारे शरीर को आकार, आकृति और सहारा देता है।

3. तंत्रिका तंत्र हमारी सभी क्रियाओं देखना, सुनना, चलना, समझना आदिक ो नयंत्रितक रताह ै।प ाचनत ंत्रभ ोजनग ्हणक रनेम ें सहायता करता है तथा श्वसन तंत्र ताजा वायु को सांस लेने व छोड़ने में सहायता करता है।

4. **अंग :** ऊतकों के समूह मिलकर अंग बनाते हैं।

   तंत्र : विभिन्न अंग मिलकर तंत्र बनाते हैं।

   पाचन : भोजन का जटिल से सरल घुलनशील रूप में तोड़ना पाचन कहलाता है।

(ख) 1. सत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. असत्य 5. असत्य

(ग) 1. मांसपेशियाँ 2. हृदय 3. फेफड़े, त्वचा 4. बाल 5. फूलती, सिकुड़ती

खेल-खेल में :

(क) कंकाल तंत्र, परिसंचरण तंत्र, पाचन तंत्र

(ख)
1. मस्तिष्क – तंत्रिका तंत्र
2. हृदय – परिसंचरण तंत्र
3. पेट – पाचन तंत्र
4. गुर्दे – उत्सर्जन तंत्र
5. नाक – श्वसन तंत्र

(ग) 1. कंकाल तंत्र 2. परिसंचरण तंत्र 3. उत्सर्जन तंत्र

11 दाँतों की देखभाल

(क) 1. दाँत भोजन को कुतरने, काटने, चीरने, चबाने में सहायता करते हैं। वे सुंदर दिखने व बोलने में सहायता करते हैं।

2. दो वर्ष की आयु तक बच्चे के जो दाँत निकलते हैं वे दूध के दाँत याअ स्थायीद ाँतह ोतेह ैं।द ूधव ेद ाँतोंव ेस थानप रन एद ाँत निकलने आरंभ हो जाते हैं जो स्थायी दाँत होते हैं।

3. चार प्रकार के दाँत हैं–

(i) **कृतंक :** इनकी संख्या आठ होती है। ये भोजन को काटने का काम करते हैं।

(ii) **रदनक** :य ेच ारह ोतेह ैं।य ेभ ोजनक ोच ीरने–फाड़नेम ें प्रयोग होते हैं।

(iii) **अग्रचर्वणक :** ये आठ होते हैं। जो भोजन पीसने का काम करते हैं।

(iv) **चर्वणक :** ये 12 होते हैं। ये भी पीसने का कार्य करते हैं।

4. हमें दाँतों की देखभाल निम्न प्रकार करनी चाहिए–

प्रत्येक भोजन के बाद कुल्ला करना चाहिए।

ब्रश के बाद उँगलियों से मसूड़ों की मालिश करनी चाहिए।

प्रतिदिन सुबह व शाम को दाँतों को ब्रश करना चाहिए।

(ख) 1. असत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. असत्य 5. सत्य

खेल-खेल में :

1. एक जन्म लेता बच्चा – कोई दाँत नहीं
2. एक दो वर्ष का बच्चा – बीस दाँत
3. काटने वाले दाँत – कृतंक
4. चीरने-फाड़ने वाले दाँत – रदनक
5. पीसने वाले दाँत – अग्रचर्वणक व चर्वणक

इकाई 8 : सुरक्षा और प्राथमिक सहायता

12 सुरक्षा के नियम और प्राथमिक सहायता

(क) 1. दुर्घटनाएँ लोगों की लापरवाही या जल्दबाजी के कारण घटित होती हैं।

2. (i) हमेशा फुटपाथ पर चलना चाहिए।

(ii) सड़क के बाईं ओर चलना चाहिए।

(iii) सड़क जेबरा-क्रॉसिंग से ही पार करनी चाहिए।

3. (i) गैस से दूर रहना चाहिए।

(ii) तेज धार वाले व नुकीले औजारों से नहीं खेलना चाहिए।

(iii) गीले हाथों से बिजली की चीजों व स्विचों को नहीं छूना चाहिए।

4. दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को डॉक्टर के आने से पहले दी जाने वाली पहली सहायता प्राथमिक सहायता होती है। इसमें–

(i) घायल के चारों ओर भीड़ नहीं लगानी चाहिए।

(ii) यदि घायल व्यक्ति का खून बह रहा हो तो घाव पर रुमाल या पट्टी बाँध देनी चाहिए।

(iii) तुरंत डॉक्टर को बुलाना चाहिए।

(ख) 1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. सत्य 5. सत्य

(ग) 1. लापरवाही 2. जेबरा क्रॉसिंग 3. सुरक्षा के नियमों को

4. दवाई 5. भीड़

खेल-खेल में :

(ग) पुलिस – 100; अग्निशमक – 101; एम्बुलेंस – 102

(घ) रास्ता बंद है, विद्यालय है, बाएँ मुड़ें, दाएँ मुड़ें, पार्किंग।

इकाई 9 : हमारा पर्यावरण

13 एक अच्छा घर और इसका स्वच्छ आस-पड़ोस

(क) 1. घर की आवश्यकता हमें वर्षा, ठंड, गर्मी, आँधी, तूफान व चोरों से सुरक्षा के लिए होती है।

2. रसोई और स्नानघर के फर्श ढालनुमा इसलिए होते हैं ताकि पानी बाहर जा सके।

3. दरवाजों व खिड़कियों पर जाली इसलिए लगी होनी चाहिए ताकि शुद्ध व ताजी वायु अंदर आ सके परंतु मक्खी व मच्छर न आने पाएँ।

4. कूड़ा सदैव कूड़ेदान में डालना चाहिए व कूड़ेदान ढका होना चाहिए।

5. हमें व्यर्थ पानी को नाली के द्वारा पौधों को पानी देने के लिए बगीचे में डालना चाहिए।

(ख) 1. घर 2. सूर्य का प्रकाश 3. ठंडा

4. हरे वृक्ष 5. थूकना

खेल-खेल में :

(क) 1. **दोहरे दरवाजे :** कीटों को दूर रखने के लिए।

2. **कूड़ेदान :** कूड़ा करकट को डालने का एक बर्तन।

3. **उचितज लि निकासप्रणाली:** गंदे पानी को ले जाने वाली प्रणाली।

4. **चिमनी :** धुएँ को बाहर निकालने के लिए।

5. **एक दीवार या बाड़ :** जंतुओं को बाहर रखने के लिए।

(ख) स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न पत्र - 1

(क) 1. क्योंकि सजीव वस्तुओं को विभिन्न कार्यों के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है। जो उन्हें भोजन से प्राप्त होती है।

2. सजीव वस्तु अपने जैसी सजीव वस्तुओं को जन्म देते हैं। इस प्रक्रिया को प्रजनन कहते हैं।

3. हरे पौधे मिट्टी, जल, वायु व सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में अपना भोजन बनाते हैं।

4. पौधे पत्तियों के द्वारा तथा जंतु अपने विभिन्न अंगों; जैसे–फेफड़े, गलफड़ों, वायु छिद्रों द्वारा सांस लेते हैं।

5. तने से निकली एक मोटी जड़ जिसमें से कई अन्य जड़ें निकलती हैं, मूसला जड़ कहलाती है। तने के सिरे से निकली अनेक जड़ें तंतु जड़े कहलाती हैं।

6. जड़ पौधों को सहारा देने, भोजन एकत्र करने व मिट्टी से पोषण तत्व व जल लेने का कार्य करती है। तना पौधों को सहारा देने, भोजन एकत्र करने व जड़ द्वारा लिए गए जल व पोषक तत्वों को पत्तियों तक पहुँचाने का कार्य करता है।

7. जो जंतु केवल हरे पौधे या शाक खाते हैं उन्हें शाकाहारी जंतु कहते हैं। जो जन्तु शाक व मांस दोनों खाते हैं उन्हें सर्वाहारी जंतु कहते हैं।

8. पक्षी अपने बच्चों की देखभाल उन्हें शत्रुओं से बचाने के लिए करते हैं।

9. पक्षियों की पूँछ नाव के चप्पू की भाँति कार्य करती है। यह दिशा बदलने में सहायता करती है।

10. बादलों वाली रात गर्म होती है क्योंकि बादल भूमि की गर्मी को ऊपर नहीं आने देते हैं।

(ख) 1. असत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. सत्य
5. असत्य 6. असत्य

(ग) 1. जानेन्द्रियाँ 2. गलफड़े 3. तना 4. पंखों
5. कठफोड़वा 6. गर्मी

(घ) 1. बछड़ा 2. चूजा 3. बिलौटा 4. तना

आदर्श प्रश्न नत्र -2

(क) 1. मिट्टी चट्टानों के टूटने से बनती है।

2. किसान ऊपरी मिट्टी में खाद व फर्टिलाइजर्स खनिज पदार्थों को मिलाने के लिए मिलाते हैं।

3. हमारे शरीर को आकार कंकाल देता है।

4. (i) **आँख :** देखने में सहायता करती है।
(ii) **नाक :** सूँघने में सहायता करती है।
(iii) **कान :** सुनने में सहायता करते हैं।
(iv) **त्वचा :** अनुभव करते हैं।
(v) **जीभ :** स्वाद का पता चलता है।

5. पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के कारण दिन व रात बनते हैं।

6. तारों के विशेष समूह जो विशेष आकृति बनाते हैं नक्षत्र मण्डल कहलाते हैं। मृगशिरा व सप्तऋषि नक्षत्र।

7. (i) सदैव सड़क के दाईं ओर चलें।
(ii) सदैव पगडंडी पर चलें।
(iii) सदैव जेबरा-क्रॉसिंग पर सड़क पार करें।

8. घर हमें धूप, वर्षा, ठंड, आँधी व चोरों से बचाता है। अत: घर की आवश्यकता होती है।

9. कूड़ा सदैव ढक्कनदार कूड़ेदान में डालना चाहिए।

10. दो वर्ष तक के बच्चे के दाँत दूध के दाँत होते हैं क्योंकि ये टूट जाते हैं। इनके स्थान पर जो दाँत आते हैं वे दाँत स्थायी दाँत होते हैं। ये दोबारा नहीं आते।

(ख) 1. सत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. सत्य
5. असत्य 6. सत्य

(ग) 1. मिट्टी 2. चट्टानी परत 3. चंद्रमा 4. हृदय
5. लापरवाही 6. थूकना

(घ) 1. **मस्तिष्क :** तंत्रिका तंत्र।
2. **हृदय :** परिसंचरण तंत्र।
3. **पेट :** पाचन तंत्र।
4. **गुर्दे :** उत्सर्जन तंत्र।